BSNLEU

P. Abhimanyu
General Secretary

BSNL EMPLOYEES UNION

Central Head Quarters

Ph.: 011-25705385
Fax : 011-25894862

Main Recognised Representative Union.
Dada Ghosh Bhawan, 2151/1, New Patel Nagar,
Opp. Shadipur Bus Depot, New Delhi-110008
E-mail : bsnleuchq@gmail.com, Website : www.bsnleu.in

बीएसएनएलईयू / 102 (सर्कुलर संख्या 07 / 2022–25) **29 अप्रैल, 2023**

सेवा में,

सर्किल सचिव,
केंद्रीय पदाधिकारी
और जिला सचिव।

एनएफपीई और एआईपीईयू – ग्रुप 'सी' को तत्काल मान्यता बहाल करने की मांग को लेकर 02.05.2023 को दोपहर के भोजन के समय काला बिल्ला लगाकर प्रदर्शन आयोजित करें।

प्रिय साथियों,

अफ़सोस की बात यह है कि डाक विभाग ने 26.04.2023 को नेशनल फेडरेशन ऑफ पोस्टल एम्पलॉईज (एनएफपीई) और एआईपीईयू – ग्रुप 'सी' (पी–3 यूनियन) की मान्यता वापस ले ली है। डाक विभाग ने आरोप लगाया है कि एनएफपीई और पी–3 यूनियन दोनों ने राजनीतिक चंदा दिया है। डाक विभाग ने अपने पत्र क्रमांक एसआर–10 / 7 / 2022–एसआर–डीओपी दिनांक 26.04.2023 में एनएफपीई और पी–3 यूनियन पर निम्नलिखित आरोप लगाए हैं।

1) कि NFPE और P–3 यूनियन ने किसान आंदोलन के लिए 30,000 / – रुपये का दान दिया है।
2) कि एनएफपीई और पी–3 यूनियन ने सीटू को 50,000 / – रुपये का दान दिया है।
3) यह कि एनएफपीई और पी–3 यूनियन ने सीपीआइ(एम) को 4,935 / – रुपये का दान दिया है।

हम हैरान हैं कि डाक विभाग ने किसान आंदोलन को राजनीतिक फंडिंग के रूप में दिए गए 30,000 रुपये की ब्रांडिंग की है। किसानों द्वारा आयोजित साल भर का एकजुट आंदोलन विशुद्ध रूप से एक गैर–राजनीतिक आंदोलन था। देश का सामान्य नागरिक भी जानता है कि किसान इस देश की कृषि और लोगों की खाद्य सुरक्षा को बचाने के लिए ही आंदोलन पर उतरे हैं। यह निंदनीय है कि, डाक विभाग ने किसान आंदोलन को दिए चंदे की राजनीतिक फंडिंग के रूप में ब्रांडिंग की है।

जहां तक सीटू को दिए गए 50,000 / – रुपये का संबंध है, यह स्पष्ट किया गया है कि यह राशि वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ ट्रेड यूनियन्स (डब्ल्यूएफटीयू) को एनएफपीई का योगदान है। चूंकि, अलग–अलग यूनियनों को अपना योगदान सीधे वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ ट्रेड यूनियन्स को भेजने में कठिनाई हो रही है, इसे सीटू के माध्यम से भेजा जाता है, जो कि एक केंद्रीय ट्रेड यूनियन है।

यह हास्यास्पद है कि सीपीआइ(एम) को किए गए 4,935 / – रुपये के ऑनलाइन भुगतान को डाक विभाग द्वारा राजनीतिक फंडिंग के रूप में प्रचारित किया गया है। एनएफपीई के महासचिव ने अपने स्पष्टीकरण में कहा है कि सीपीआइ (एम) के प्रकाशनों से खरीदी गई पुस्तकों के लिए सीपीआइ (एम) को ऑनलाइन भुगतान मोड के माध्यम से 4,935 / – रुपये भेजे गए हैं। इस स्पष्टीकरण के बाद भी डाक विभाग ने दोहराया है कि यह राजनीतिक फंडिंग है।

यह उपहास के अलावा और कुछ नहीं है कि डाक विभाग द्वारा मात्र 4,935 / – रुपये की राशि को राजनीतिक फंडिंग के रूप में प्रचारित किया जा रहा है। कई केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के साथ–साथ सेवा संघों ने डाक विभाग द्वारा NFPE और P–3 यूनियनों की मान्यता वापस लेने की निंदा की है। **कन्फेडरेशन ऑफ सेंट्रल गवर्नमेंट एम्प्लॉइज एंड वर्कर्स ने कर्मचारियों से आह्वान किया है कि वे दिनांक 02.05.2023 को दोपहर के भोजन के समय काला बिल्ला लगाकर विरोध प्रदर्शन करें।**

बीएसएनएलईयू की अखिल भारतीय केंद्र की बैठक दिनांक 29.04.2023 को 15.00 बजे ऑनलाइन आयोजित की गई जिसमें इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की गई। इस देश के डाक कर्मचारियों में NFPE और P–3 यूनियन की सशुल्क सदस्यता 70% है। ये दोनों संगठन डाक विभाग को एक निगम में बदलने और बाद में इसे निजी / कॉरपोरेट्स को सौंपने के सरकार के प्रयासों के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं। इसलिए, NFPE और P–3 यूनियन की मान्यता वापस लेना, सरकार की उन संगठनों को खामोश करने की साजिश के अलावा और कुछ नहीं है जो डाक विभाग की बिकवाली के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं।

सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए, अखिल भारतीय केंद्र ने सर्वसम्मति से कर्मचारियों को 02.05.2023 को दोपहर के भोजन के समय काला बिल्ला लगाकर शक्तिशाली विरोध प्रदर्शन करने का आह्वान करने का निर्णय लिया। सभी सर्किल और जिला यूनियनों से अनुरोध है कि वे इस विरोध कार्रवाई में अधिक से अधिक संख्या में कर्मचारियों को जुटाएं।

धन्यवाद

आपका,

(पी. अभिमन्यु)
महासचिव